MJC-3

Date: 04/11/25

→ Topic:- Merton's Views Regarding function

→ राबर्ट मर्टन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Social theory and Social Structure' में प्रकार्य सम्बन्धी महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए हैं।

→ आपके अनुसार "प्रकार्य शब्द का उपयोग विभिन्न अर्थों में किया जाता रहा है।

→ प्रकार्य शब्द का पहला अर्थ तथा अवसर इसका उपयोग किसी 'आयोजन' के लिए किया जाता है। उदाहरण:- यदि किसी नेता के भाषण के लिए किसी सभा की व्यवस्था की जाती है तो उसे सम्बन्धित राजनीतिक दल का 'प्रकार्य' कहा जाता है।

→ प्रकार्य का दूसरा अर्थ किसी विशेष प्रकार के क्रियाकलाप के संदर्भ में किया जाता है। उदाहरण - अध्यापक का कार्य, पिता का अपने बच्चों के लिए कार्य, बच्चों का बड़ों के प्रति कार्य। आदि

→ प्रकार्य का तीसरा अर्थ गणितीय संदर्भ में किया जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि इसका उपयोग व्यक्तियों के उन कार्यों से है जो एक विशेष स्थान, समय और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाता है।

→ प्रकार्य का चौथा अर्थ सामाजिक व्यवस्था उन कार्यों के संदर्भ में किया जाता है जो प्राणी को उसके आवश्यकताओं की पूर्ति करे तथा सामाजिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए किया जाता है।

इन सभी अर्थों का मर्टन ने विरोध किया है।

Note: ये सभी अर्थों का

→ मर्टन के अनुसार प्रकार्य वे देखे जा सकने वाले योग्य परिणाम हैं जो सामाजिक व्यवस्था के अनुकूलन अथवा सामंजस्य को सम्भव बनाते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि यदि सामाजिक संरचना की इकाई उस संरचना विशेष की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता देती है तो उस इकाई की इस भूमिका को प्रकार्य कहा जाता है।

PDP by
Dr. Nitish Vardhan